जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 49 संख्याः 119 प्रभात कोटा, रविवार 11 फरवरी, 2024 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'क्या आप यह करना चाह रहे हैं कि, चुनाव के वर्ष में किसी को भारत रत्न नहीं दिया जाना चाहिये'

जयंत चौधरी ने पितामह चौ. चरण सिंह को भारत रत्न देने की ''टाइमिंग'' की आलोचना करने वालों पर पलट वार किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 फरवरी। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़, सदन के नेता पीयूष गोयल व भाजपा के अनेक नेताओं ने शनिवार को सदन में कांग्रेस के सदस्य जयराम रमेश पर इस बात को लेकर जमकर हमला बोला, क्योंकि उन्होंने शुक्रवार को चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने की घोषणा पर सवाल उठाया था।

आर.एल.डी. के सांसद जयंत चौधरी ने भारत रत्न पुरस्कार दिए जाने पर एतराज जताने के लिए विपक्ष पर हमला बोला, उन्होंने कहा ''यदि सरकार किसी को सम्मान देकर सम्मानित करती है तो इसमें क्या बुराई है।'' उन्होंने भारत रत्न पुरस्कार घोषित किए जाने के समय पर एतराज करने के लिए विपक्ष की आलोचना की।

- जयंत चौधरी ने प्र.मंत्री मोदी को इस कृत्य के लिये धन्यवाद देते हुए यह भी कहा कि, जो सरकार जमीन से जुड़ी हुई है, वह ही जमीन से उठ रही आवाज को समझ सकती है तथा उस आवाज को और ताकत प्रदान करती है तथा एक ''धरती पुत्र'' को भारत रत्न से नवाज़ सकती है।
- पर, कई सांसदों ने सभापति धनखड़ को आड़े हाथ लेते हुए कहा, आपने किस नियम के तहत भारत रत्न पर बोलने की इजाज़त दी।
- मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी सांसदों की मांग का समर्थन किया और कहा, अगर हमें मालूम होता कि, आप भारत रत्न पर बोलने की इजाज़त दे रहे हैं सदस्यों को, तो हम भी अपने विचार रखते इस विषय पर।

विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस मामले को शांत करते हुए कहा कि, तीनों भारत रत्न पुरस्कार प्राप्त करताओं को नमन करते है।''

अवॉर्ड घोषित किए जाने के समय पर सवाल उठाने के लिए उन्होंने विपक्ष की आलोचना की और उनसे जयंत ने सवाल किया: ''क्या वे यह कह रहे हैं कि सरकार को चुनावी साल में किसी को भी भारत रत्न का सम्मान नहीं देना चाहिए?'' पुरस्कारों की घोषणा होने के बाद, कांग्रेसी नेता व पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने शुक्रवार को कहा कि आम चुनावों के ठीक पहले सम्मानित करने का कोई फल मिलने वाला नहीं है।

आर.एल.डी. के प्रमुख जयंत ने शनिवार को मोदी सरकार द्वारा उनके दादा को भारत रत्न पुरस्कार से सम्मानित करने पर मोदी सरकार की जमकर तारीफ की और कहा कि जमीन से जुड़ी हुई सरकार ही उन जैसे किसानों के नेता को सम्मानित कर सकती है।

चौधरी ने राज्यसभा में इस बात को जोर देकर कहा कि मोदी सरकार की नीतियों में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'वो पाया जिसका इंतज़ार पीढ़ियों को था'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 फरवरी। प्रधानमंत्री मोदी ने आम चुनावों से पूर्व लोकसभा में अपने अंतिम संबोधन में कहा कि 17वीं लोकसभा ने कुछ ऐसी उपलब्धियां अर्जित की हैं, जिनकी पीढ़ियों से प्रतीक्षा थी।

- आम चुनाव से पहले, लोकसभा के अंतिम संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने यह कहते हुए, धारा 310 हटाने से लेकर जी-20 सम्मेलन तक के उदाहरण दिए।

उन्होंने कहा कि ''इस वर्ष हुए कई सुधार गेम चेंजर थे। ''उन्होंने धारा 370 के उन्मूलन से लेकर जी-20 की अध्यक्षता सहित कई मुद्दों का जिक्र करते हुए कहा कि देश बदलाव की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि ''बदलावों की सूची नए संसद भवन के शुभारंभ और संसद के पुस्तकालय को आमजन के लिए खोलने से शुरु हुई। हर किसी ने कहा कि हमें नया भवन चाहिए, हर कोई चाहता था, लेकिन इस पर कोई निर्णय नहीं था। उस पर हमने निर्णय लिया और इसी वजह से आज हम नए संसद भवन में बैठे हैं।''

क्या ई.डी. की कार्यवाही व गिरफ्तारी की संभावना ने केजरीवाल को झुकाया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 फरवरी। आम आदमी पार्टी (आप) के सुप्रीमो एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने यह घोषणा कर विपक्ष के एन.डी.ए. गठबंधन को एक करारा झटका दिया कि उनकी पार्टी पंजाब की सभी 13 और चंडीगढ़ की एक लोकसभा सीट पर बिना किसी गठबंधन के चुनाव लड़ेगी। इस तरह से उन्होंने संकेत दे दिया है कि पंजाब में कांग्रेस के साथ कोई भी चुनावी गठजोड़ नहीं किया जाएगा।

केजरीवाल ने घोषणा करते हुए कांग्रेस पर भी कटाक्ष किया और कहा कि ''इण्डिया'' गठबंधन की उनकी सहयोगी कांग्रेस द्वारा पंजाब में किए गए किसी भी अच्छे कार्य को याद करने में लोगों को बड़ी कठिनाई होगी।

सूत्रों ने बताया कि एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) की गिरफ्तारी से बचने के लिए केजरीवाल ऐसी घोषणा करने को बाध्य हुए हैं। सत्तारूढ़ भाजपा के चुनाव प्रबंधकों और केजरीवाल के पिछले कुछ समय से इसे लेकर गुप्त वार्ताएं चलती रही हैं कि उन्हें (केजरीवाल को) केन्द्रीय जांच एजेंसियों से मुक्ति पाने के लिए ''इण्डिया'' गठबंधन को कमज़ोर करना होगा।

- चर्चाओं के अनुसार, कुछ समय से कुछ गोपनीय माध्यमों के जरिये बातचीत चल रही थी, केजरीवाल व भाजपा के नेताओं के बीच कि, केजरीवाल को एक सार्वजनिक घोषणा करनी होगी। जिसके अनुसार, आप पंजाब में सभी सीटों पर अपना उम्मीदवार खड़ा करेगी।
- अगर केजरीवाल यह घोषणा करके इण्डिया गठबंधन को कमजोर करते हैं, तो उनकी गिरफ्तारी टल सकती है।
- यह स्वीकार करते हुए कि, अगर उनकी पार्टी का सर्वेसर्वा जेल में हो, तो पंजाब व दिल्ली में चुनाव लड़ना अत्यन्त कठिन हो जायेगा, आम आदमी पार्टी ने केजरीवाल से पंजाब की सभी सीटों पर अपना उम्मीदवार खड़ा करने की घोषणा करवाई।
- इसीलिये केजरीवाल की घोषणा केवल पंजाब तक ही सीमित है, दिल्ली में अभी आम आदमी पार्टी व कांग्रेस में बातचीत चल रही है, मिल कर चुनाव लड़ने की तथा 4-3 का फॉर्मूला तय सा हो गया है। केवल यह ही निर्णय लेना बाकी है, कि, कौन सी पार्टी एक ज्यादा सीट पायेगी समझौते में।

इस जानकारी से वाकिफ आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि केजरीवाल व ''आप'' के अन्य नेता इस बात को लेकर बेहद चिन्तित हैं कि पार्टी के सुप्रीम नेता के जेल में होने की स्थिति में पार्टी लोकसभा चुनाव कैसे लड़ेगी। आप के नेता जानते है कि मोदी-शाह की जुगल जोड़ी लोकसभा चुनाव जीतने के लिए सभी अच्छे-बुरे तरीके व सभी परोक्ष-अपरोक्ष हथकंडे अपनाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। दिल्ली के मुख्यमंत्री का बयान विपक्षी गठबंधन की परेशानियां और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंजाब में भाजपा व अकाली दल ने भी पुराने शिकवे भूल कर मिलकर चुनाव लड़ने के प्रयास शुरू किये

केजरीवाल द्वारा पंजाब कांग्रेस के साथ गठबंधन का दरवाजा बंद करने के बाद, राजनीतिक घटनाक्रम तेजी से बदला

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 फरवरी। आम आदमी पार्टी (आप) नेता अरविन्द केजरीवाल ने जिस दिन पंजाब में कांग्रेस के साथ, सीट बंटवारे का विकल्प खत्म करने की घोषणा की, उसी दिन भाजपा ने पुराने गठबंधन सहयोगी और अब राजनातिक प्रतिद्वंदी शिरोमणि अकाली दल के साथ मतभेद दूर करने के लिए जोर-शोर से ''बैक चैनल'' बातचीत शुरु कर दी है।

केजरीवाल की घोषणा कि, ''आप आगामी लोकसभा चुनावों में, पंजाब की सभी 13 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े करेगी,'' के बाद अगर भाजपा का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अकाली दल लगातार भाजपा का चुनावी व राजनीतिक साथी रहा है तथा 2020 में अकाली दल ने भाजपा से यह रिश्ता तोड़ दिया था, किसान आंदोलन व कृषि कानून लाने के मुद्दे पर।
- आपसी सहयोग के मुद्दे पर अकाली दल व भाजपा में वार्ता के दो दौर हो चुके हैं तथा कांग्रेस के पुराने नेता, जो अब भाजपा में हैं, कैप्टन अमरिन्दर सिंह व सुनील जाखड़ इन वार्ता के दौरों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

पैंथर के हमले में तीन जने घायल

डूंगरपुर, 10 फरवरी (निसं)। आंतरी वनक्षेत्र के तहत उपला घरा नोकना गांव में शनिवार को पैंथर ने हमला करके तीन लोगों को घायल कर दिया। सूचना मिलने पर वरदा थानाधिकारी लालसिंह निनामा मय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- डूंगरपुर के आंतरी वन क्षेत्र के एक गांव में शनिवार को पैंथर के हमले की जानकारी मिली। बताया जाता है कि, पैंथर ने मवेशियों पर हमला किया था और मवेशियों को बचाने आए तीन लोगों को भी घायल कर दिया।

पाकिस्तान में प्रजातंत्र अभी सांस ले रहा है!

पाकिस्तान की सेना शुरू से चाहती थी, नवाज़ शरीफ की पार्टी पाकिस्तान-मुस्लिम लीग (नवाज़) ही चुनाव जीते और सरकार बनाये, पर, सेना की प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष मदद भी, सेना को मनचाहा नतीजा नहीं दिला पायी

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 फरवरी। पाकिस्तान और इसके मुश्किलों भरे इतिहास के बारे में कोई भी चाहे जो कहे पर एक बात यह स्पष्ट है कि तमाम विपरीत हालात के बाद भी यहां लोकतंत्र अभी भी ज़िंदा है।

वर्ना पाकिस्तान में इतनी विविधता से भरी जीत खासतौर पर हार कैसे हो सकती थी। पाकिस्तान की तथाकथित सर्वशक्तिमान सेना चाहती थी कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज़ शरीफ) जीते। पर नतीजे बताते है कि जेल में बंद इमरान खान जिन पर मुकदमा चल रहा है, की पार्टी पाकिस्तान तहरीके इंसाफ ने 99 सीटें जीत ली हैं।

सेना चाहती थी कि नवाज़ की पार्टी को बहुमत मिले और वे सरकार बनाएं। सेना ने पूर्व प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ की सरकार को भी समर्थन दिया था। शाहबाज़ शरीफ नवाज़ के छोटे भाई हैं। अभी सेना नवाज़ शरीफ से कह रही है कि अन्य दलों के साथ मिलजुल कर सरकार बनाने का प्रयास करें।

जनता ने जो खंडित जनादेश दिया है, उसे देखते हुए यह संभव नहीं लगता है। इमरान खान अभी जेल में है उन पर सेना व कई अन्य सरकारी एजेंसियों ने उन पर कई आरोप लगाए हैं। इमरान की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इमरान खान की पार्टी, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पी.टी.आई.) 265 सदस्यीय सदन में सबसे बड़ी पार्टी, जिसमें 99 सदस्य जीते हैं, बन कर उभरी है तथा नवाज़ शरीफ की पार्टी को 71 सीटें मिली हैं। भुट्टो परिवार की पार्टी (पी.पी.पी.) के 54 उम्मीदवार जीते हैं तथा 33 निर्दलीय प्रत्याशी भी जीते हैं।
- पाकिस्तान की सेना अभी भी शांति बनाये रखने की अपील कर रही है जनता से, जिससे नवाज़ शरीफ की पार्टी कुछ जोड़-तोड़ से सरकार बना ले।

बिहार में विधायकों को इकट्ठा करने में जुटे नीतीश कुमार और तेजस्वी

पटना, 10 फरवरी। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई वाली नई सरकार के शक्ति परीक्षण से पहले पक्ष और विपक्ष को अपने विधायकों के छिटकने का डर सता रहा है और इस वजह से वे उन्हें एकजुट रखने की कवायद में लग गए हैं।

बिहार विधानसभा में 12 फरवरी को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को बहुमत साबित करना है, उससे पहले शनिवार को दोपहर सत्तारूढ़ जनता दल यूनाइटेड (जद.यू.) विधायक एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए मंत्री श्रवण कुमार के आवास पर आयोजित दावत में शामिल हुए लेकिन कुछ विधायक इस दौरान नदारत थे। ऐसे विधायकों की गैर मौजूदगी के बारे में जद.यू. नेता और मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि, पार्टी के सभी विधायक एकजुट हैं।

"किसान कूच" के कारण हरियाणा के सात जिलों में इंटरनेट बंद रहेगा।

सिरसा, 10 फरवरी। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनैतिक) व किसान मजदूर मोर्चा के,13 फरवरी को दिल्ली कूच करने के आव्हान के मद्देनजर जिला में कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा अवांछित तत्वों का जिले में प्रवेश रोकने के लिए जिला प्रशासन ने धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लगाने के आदेश दिए हैं। इसी के साथ किसान संगठनों के 'दिल्ली कूच' को लेकर हरियाणा के सात जिलों में रविवार से अगले तीन दिनों तक इंटरनेट सेवा ठप रहेगी। जिलाधीश पार्थ गुप्ता ने कहा है कि जिले में तुरंत प्रभाव से पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया गया है।

राम मंदिर पर चर्चा व स्पीकर के विदाई संबोधन से अंतिम सत्र का समापन

नयी दिल्ली, 10 फरवरी। संसद का विस्तारित बजट सत्र शनिवार को दोनों सदनों में, अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण पर चर्चा और लोकसभा में अध्यक्ष के विदाई संबोधन के साथ संपन्न हुआ। सत्र की शुरुआत 31 जनवरी को हुई और 11 दिन के इस सत्र में दोनों सदनों की कुल नौ बैठकें हुईं। प्रारंभ में सत्र नौ फरवरी को समाप्त होना था, लेकिन इसे एक दिन के लिये बढ़ा दिया गया। यह अधिवेशन सत्रहवीं लोकसभा का अंतिम सत्र था, इसमें वित्त मंत्री ने पहली फरवरी को 2024-25 का अंतरिम बजट प्रस्तुत किया। यह सत्र इसलिये ऐतिहासिक महत्व का रहा क्योंकि इसमें लंबे अंतराल के बाद सरकार ने अर्थव्यवस्था पर एक श्वेतपत्र प्रस्तुत किया जिसमें मोदी सरकार के कार्यकाल की तुलना मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल से की गयी है।

साहू राजस्थान पुलिस के स्थाई डी.जी. नियुक्त

जयपुर, 10 फरवरी। राजस्थान पुलिस के कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक यू. आर. साहू को राज्य का स्थाई पुलिस महानिदेशक बना दिया गया है। केन्द्र को भेजे गए पैनल में से तीन नामों की सूची मिलने के बाद राज्य सरकार के कार्मिक विभाग ने शनिवार को साहू की दो साल के लिए नियुक्ति के आदेश जारी किए। आदेश के अनुसार एम्पैनलमैंट कमेटी की अनुशंसा पर लोक सेवा आयोग ने आई.पी.एस. यू.आर. साहू को दो साल की अवधि के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नरसिम्हा राव को भारत रत्न देकर, क्या देश उस अवहेलना, असम्मान का प्रायश्चित्त कर रहा है, जो राव को सहना पड़ा था, अपने अंतिम दिनों में

राव अपने अंतिम दिनों में दिल्ली के मान सिंह रोड वाले बंगले में अकेले अलग-थलग से दिन काट रहे थे। उनकी मृत्यु के बाद उनका अंतिम संस्कार दिल्ली में नहीं होने दिया गया था। मृत शरीर हैदराबाद भेजा गया तथा शायद ही किसी वी.आई.पी.ने अंतिम संस्कार में भाग लिया था।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 फरवरी। पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव को ''भारत रत्न'' सम्मान देना उनकी उपेक्षा और आलोचना को सुधारने की एक आंशिक कोशिश है। नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री के पद से हटने के बाद मानिसंह रोड के बंगले में एकांकी और उपेक्षित जीवन जिया, जहां शायद ही कोई उनसे मिलने आता था।

और जब उनकी मौत हुई तब उनका अंतिम संस्कार तक दिल्ली में नहीं हुआ। उनका शव दिल्ली भेजा गया। उनके अंतिम संस्कार में कोई भी बड़ा नेता शामिल नहीं हुआ था। यह किसी भी सूरत में पूर्व प्रधानमंत्री का अंतिम संस्कार नहीं था। उनका कोई स्मारक तक नहीं बनाया गया। राजीव गांधी की अचानक हत्या के बाद राव को प्रधानमंत्री बना दिया गया था जबकि वे रिटायरमैंट ले चुके थे और अपने गृह शहर हैदराबाद जाने वाले थे, पर उन्हें रिटायरमैंट से वापस बुला लिया गया।

उसके बाद उन्होंने बहुत समझदारी और आत्मविश्वास के साथ प्रशासन संभाला और आज़ाद भारत के सबसे बड़े संकट को भारत की महान सफलता में बदल दिया। आज़ादी के बाद से चली आ रही आर्थिक नीतियों की वजह से अर्थव्यवस्था गहरे संकट में थी और शुरुआती दिनों में जो आर्थिक नीतियां बनाई गई वे खाद्यान्न की कमी, विदेशी मुद्रा की कमी और इन्फ्लेशन से निपटने के लिए थीं। नीति निर्माताओं को लगता था कि निजी क्षेत्र पर प्रतिबंध वाली बंद अर्थव्यवस्था कारगर होगी, पर इससे इन्फ्लेशन बढ़ गया।

- दूसरी ओर यह भी सच है कि, जब राव ने प्र.मंत्री पद संभाला था, देश की वित्तीय हालत दयनीय थी, कुछ सप्ताह की विदेशी मुद्रा बची थी राजकोष में।
- भारत को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर तिरस्कार का सामना करना पड़ा था, जब उसको अपना सोना रिज़र्व बैंक की तिजोरियों से निकाल कर, लंदन भेजना पड़ा था, सोना गिरवी रखकर कुछ विदेशी मुद्रा उधार लेने के लिये।
- इन हालात में राव ने आर्थिक रिफॉर्म्स की नीति पकड़ी, डॉ. मनमोहन सिंह को वित्त मंत्री बनाकर।

राव के आने पर स्थिति ऐसी थी कि मात्र कुछ सप्ताह का ही विदेशी मुद्रा भंडार बचा था। संकट कितना बड़ा था, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि नॉर्थ ब्लॉक में चुनिंदा टॉप ब्यूरोक्रेट्स का एक स्पैशल ग्रुप बनाया गया जो बॉम्बे गया रिज़र्व बैंक से बात करने। मैं उस समय वित्तीय संवाददाता था, तो मुझे कई बातें मालूम थीं।

दुनिया भर में देश का भारी अपमान हो रहा था। भारत को कर्ज चुकाने के लिए स्वर्ण भंडार गिरवी रखना पड़ा। यह इतना अपमानजनक था कि भारत से अपना स्वर्ण भंडार लदंन भेजने को कहा गया, आम तौर पर ऐसा नहीं होता था, सिर्फ कागजी कार्यवाही होती थी।

स्वर्ण भंडार रिज़र्व बैंक के खजाने से लंदन भेजे जाने की घटना को तत्कालीन वित्त सचिव मॉन्टैक सिंह अहलूवालिया ने अपनी स्मृति ''बैक स्टेज'' में लिखा है।

इन हालात के बाद नरसिम्हा राव ने देश संभाला, उन्होंने संकट को समझा और सर्वश्रेष्ठ मदद खोजी। उन्होंने रिज़र्व बैंक के पूर्व गवर्नर और लदंन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के डायरैक्टर डॉ.आई.जी. पटेल को वित्त मंत्री बनने के लिए आमंत्रित किया।

आई.जी. पटेल तब अपने घर गुजरात लौट आए थे, पटेल ने विनम्रता से इन्कार कर दिया और कहा कि अब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कैम्बे गोल्फ कोर्स का जमीन आवंटन निरस्तीकरण सही

जयपुर, 10 फरवरी (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने कैम्बे गोल्फ कोर्स को दी गई चालीस एकड़ जमीन का आवंटन जेडीए की ओर से निरस्त करने की कार्रवाई को सही माना है। इसके साथ ही अदालत ने इस संबंध में जेडीए अपीलीय अधिकरण के 3 मार्च, 2022 के आदेश को बरकरार रखते हुए उसमें दखल से इनकार कर दिया है। जस्टिस अनूप ढंड ने यह आदेश एक्सिस ट्रस्टी सर्विसेज लिमिटेड और मैसर्स नीसा लेजर की याचिकाओं को खारिज करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि कंपनी ने जमीन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राजस्थान हाई कोर्ट ने इस संबध में जे.डी.ए. अपीलीय अधिकरण द्वारा 3 मार्च 2022 को दिए गए आदेश में दखल देने से इन्कार कर दिया।